कोटद्वार,रविवार
31 दिसम्बर 2023
वर्ष: 45
अंक: 239 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पीएम मोदी का लोगों से आग्रह, 22 जनवरी को अयोध्या आने से बचें

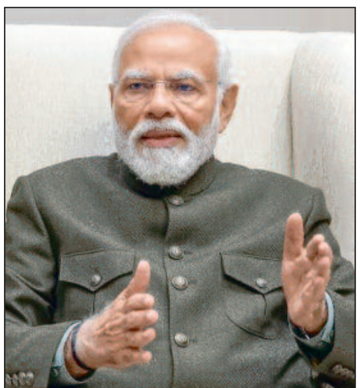

अयोध्या । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक समय था, जब यहीं अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं, बल्कि पक्का घर देश के 4 करोड़ गरीबों को भी मिला है। आज का भारत अपने तीर्थों को भी संवार रहा है, वहीं, डिजिटल टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी छाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास जनसभा स्थल से अपने संबोधन में कई बातों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने 15,700 करोड़ की 46 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने अयोध्या धाम जंक्शन और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का लोकार्पण करने के साथ ही 6 वंदे भारत और 2 अमृत भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना होगा। हमारी विरासत हमें प्रेरणा देती है। हमें सही मार्ग दिखाती है। आज का भारत पुरातन और नूतन को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था, जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं, देश के चार करोड़ गरीबों को भी मिला है।

साध्वी ऋतंभरा वात्सल्य और ममता की प्रतिमूर्ति : धामी

साध्वी ऋतंभरा के षष्ठिपूर्ति महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को मथुरा में साध्वी ऋतंभरा के षष्ठिपूर्ति महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा को वात्सल्य और ममता की प्रतिमूर्ति बताते हुए शुभकामना दी तथा उनके सुदीर्घ जीवन की कामना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि साध्वी ऋतंभरा का व्यक्तित्व अद्भुत और कृतित्व अकल्पनीय है। उनकी वात्सल्य शक्ति से न जाने कितनी बच्चियों को प्रेरणा और नया जीवन मिला। उनसे सदैव वात्सल्य और ममता का सानिध्य प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साध्वी ऋतंभरा के स्नेह और आशीर्वाद से उन्हें व्यक्तिगत रूप से हमेशा लोगों की सेवा करने की शक्ति मिलती है। वे स्वयं उनसे सबसे पहले तब प्रभावित हुए थे जब उनके मुखारबिंदु से श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के समय प्रखर उद्बोधन सुना था। उनके ओजस्वी उद्बोधन ने लाखों लोगों को हृदय की गहराइयों तक प्रभावित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 22 जनवरी को करोड़ों

देशवासियों का रामलला को उनकी जन्मस्थली पर विराजमान करने का संकल्प पूर्ण होने जा रहा है। आज रामलला उस समय अपने जन्मस्थान में विराजमान हो रहे हैं, जब भारत दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुका है, सनातन संस्कृति का परचम चारों ओर लहरा रहा है, चांद पर भारत का चंद्रयान उतर चुका है, सूर्य के चारों ओर आदित्य एल वन चक्कर लगा रहा है, पूरा विश्व, भारत की बात कर रहा है, सनातन का भगवा ध्वज चारों ओर फिर से लहरा रहा है, हम दुनिया को कोरोना की मुफ्त वैक्सीन प्रदान करने में सक्षम हो चुके हैं, हम सफलतम जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता करने में सफल हुए हैं और जब हमारे देश के नेतृत्व का लोहा सारे विश्व के नेता मान रहे हैं।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
"Journey Towards Excellence"
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

सीएम धामी ने मथुरा के प्राचीन बगलामुखी पीतांबरा मंदिर के दर्शन कर पूजा–अर्चना की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो दिवसीय मथुरा भ्रमण के दौरान शनिवार को मथुरा के प्राचीन मंदिर बगलामुखी पीतांबरा मंदिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी से प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की प्रार्थना की है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय जैन की उपस्थिति में पीसी–पीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय जैन की उपस्थिति में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में पीसी–पीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक हुई।

बैठक में समिति द्वारा 11 केन्द्रों के पंजीकरण के नवीनीकरण, 13 केन्द्रों में स्थापित नई अल्ट्रासाउण्ड मशीन एवं सीटी स्कैन मशीन के पंजीकरण (फार्म–बी),दर्ज कराने हेतु आवेदन पर निरीक्षण के उपरान्त निर्णय लेने, 3 केन्द्रों की पुरानी मशीन निष्प्रोज्य किये जाने के आवेदन के क्रम में 2 मशीनों को निष्प्रोज्य किया गया तथा 1 पर निष्प्रोज्य की कार्यवाही की जानी है। 3 केन्द्रों की मशीन को स्थान्तरित किये जाने के आवेदनों पर निरीक्षण उपरान्त निर्णय किया जाएगा।

नई मशीन स्थापित की जाने से पूर्व ट्रेकर सिस्टम लगाने के उपरान्त ही सेन्टर में स्थापित की जाए। समिति द्वारा बाल विकास के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी तथा लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही पीसीपीएनडीटी से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को कार्यक्रम निर्धारित करते हुए अभियान चलायें तथा लोगों को जागरूक किया जाए। प्रचार–प्रसार किया जाए कि यदि किसी केन्द्र पर अवैधानिक गतिविधि हो रही हो तो उसकी जानकारी देने वालों को 50 हजार ईनाम दिया जाएगा तथा नाम भी गुप्त रखा जाएगा। समिति द्वारा निर्णय लिया गया गया कि लैब्स/चिकित्सालयों फार्म एफ के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना दें तथा फार्म एफ चिकित्सालयों/केन्द्रों पर ही नियमानुसार सुरक्षित रखे जाएं, जिन्हें निर्धारित समयावधि में निस्तारित किए जाए तथा जिन फार्म में विवाद है ऐसे फार्म एफ को विवाद के निस्तारण होने तक सुरक्षित रखा जाए। बैठक में बैठक में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ दिनेश चौहान, डीजीसी जीपी रतूड़ी, आईएमए के अध्यक्ष डॉ संजय उप्रेती, डॉ शालिनी डिमरी, डॉ ममता बहुगुणा, स्वंयसेवी संस्थाओं के सदस्यों सहित सम्बन्धित कार्मिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेता जी सुभाचंद्र छात्रावास के निर्माण के साथ बन गई मिसाल

देहरादून। निराश्रित बच्चों के लिए कौलागढ़ में बनाए जा रहे नेता जी सुभाष चंद्र आवासीय छात्रावास के निर्माण के साथ साथ शिक्षा विभाग ने मिसाल भी बना ली। इस छात्रावास का निर्माण तय अवधि से एक महीना पहले ही पूरा कर लिया गया है। इस साल दो जनवरी को सीएम पुष्कर धामी ने कौलागढ़ में इस स्कूल का शिलान्यास किया था। अब एक जनवरी 2024 को धामी इसका उद्घाटन करेंगे। डीजी–शिक्षा बंशीधर तिवारी के अनुसार इस छात्रावास की क्षमता 100 छात्रों की है। फिलहाल पहली से आठवीं कक्षा स्तर के छात्र–छात्राएं इसमें रहेंगे। आगे इसका हाईस्कूल और इंटर तक उच्चीकरण पर भी विचार किया जाएगा। राज्य में इस वक्त नेता जी सुभाष चंद्र छात्रावास की संख्या 13 हो चुकी है। इनमें 879 छात्र–छात्राएं रह रहे हैं। इसके निर्माण के लिए एक साल का वक्त रखा गया था। लेकिन इसे दिसंबर में ही पूरा कर लिया गया है। छात्रावास के निर्माण में तीन करोड़ रुपये से अधिक का बजट खर्च हुआ है। अपर राज्य परियोजना निदेशक डा. मुकुल कुमार सती ने बताया कि छात्रों का एडमिशन कौलागढ में निकट ही स्थित जूनियर हाईस्कूल में कराया जाएगा। इस स्कूलों के नए भवन के लिए भी बजट मंजूर किया जा चुका है। वहां भी नया भवन जल्द तैयार हो जाएगा।

नए साल की पूर्व संध्या पर अलर्ट रहेंगे सभी अस्पताल

देहरादून। नए साल के जश्न के मद्देनजर स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट हो गया है। महानिदेशक स्वास्थ्य विनीता शाह ने अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ ही जीवन रक्षक दवाइयों का भी पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

नए साल पर पर्यटक स्थलों के होटल सैलानियों से पैक हो चुके हैं। वीकेंड के चलते यह संख्या और बढ़ सकती है। शहरों के होटलों में भी पूर्व संध्या नए साल के स्वागत को कई किए जाएंगे। ऐसे में स्वास्थ्य महकमा ने भी एहतियात के तौर पर अपनी तैयारियां कर दी हैं। महानिदेशक स्वास्थ्य ने सभी प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को भेजे पत्र में कहा कि नए साल पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, इस वजह से काफी संख्या में लोग रात्रि में आवाजाही करते हैं और अप्रिय घटना होने की भी आशंका रहती है।

सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में पत्रकार कल्याण कोष समिति की बैठक संपन्न

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर सूचना निदेशालय, रिंग रोड देहरादून में सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में पत्रकार कल्याण कोष समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान बैठक में कुल 5 पत्रकारों के आश्रितों को पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) से आर्थिक सहायता देने हेतु समिति ने सहमति जताई। साथ ही ष्मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजनाष् के अन्तर्गत 3 वरिष्ठ पत्रकारों को पेंशन देने पर सहमति बनी है। उल्लेखनीय है कि पत्रकार एवं मृतक पत्रकार के आश्रितो हेतु पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) की स्थापना वर्ष 2008 में की गई। वर्तमान में पत्रकार कल्याण कोष (कारपस फंड) के मूलधन 7 करोड से अर्जित ब्याज के रूप में लगभग 24 लाख की धनराशि एंव 1 करोड़ 25 लाख की एफ.डी के रुप में जमा है। कारपस फण्ड के मूलधन से अर्जित ब्याज की धनराशि से ही पत्रकार एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता तथा वर्तमान में प्रदेश के 15 पात्र पत्रकारों को प्रतिमाह 8–8 हजार पेंशन का भुगतान किया जा रहा है।

इस दौरान समिति के सदस्यों के रूप में अपर निदेशक सूचना आशीष कुमार त्रिपाठी, वित्त नियंत्रक शशि सिंह, डॉ. बी.डी.शर्मा, दिनेश जोशी, निशा रस्तोगी, दीन दयाल मित्तल, उपस्थित रहे।

जलापूर्ति निजीकरण के विरोध में उतरे कर्मचारी

देहरादून। उत्तराखंड पेयजल निगम कर्मचारी महासंघ ने शहरों की जलापूर्ति व्यवस्था निजी हाथों में दिए जाने का विरोध किया है। महासंघ ने इस फैसले से कार्मिकों के हित प्रभावित होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार को संगठन भवन में आयोजित महासंघ की आपात बैठक में वक्ताओं ने कहा कि इस फैसले के खिलाफ रणनीति तय करने के लिए पांच जनवरी को जलभवन में विस्तृत बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में दोनों विभागों के कार्मिक – पदाधिकारियों के साथ–साथ दोनों विभागों के पेंशनर और उपनल से नियुक्त कर्मचारी भी शामिल होंगे, जिसमें फैसले के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। अध्यक्ष जीतेन्द्र देव और महामंत्री रमेश बिंजोला ने कहा कि सरकार बिना कर्मचारियों को भरोसे में लिए शहरी क्षेत्रों की पेयजल योजनाएं 18 साल के लिए निजी संस्थाओं को देने की तैयारी कर रही है। इसका दुष्परिणाम जनता के साथ ही कार्मिकों को उठाने होंगे। यदि इस फैसले पर अमल किया गया तो पेयजल निगम और जल संस्थान में कार्मिकों के सामने वेतन भत्तों के साथ ही पेंशन का भी संकट खड़ा हो जाएगा। इसलिए यदि सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो कर्मचारी आंदोलन के लिए विवश होंगे।

जिला टीबी फोरम की बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय जैन की उपस्थिति में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला टीबी फोरम की बैठक हुई। मुख्य चिकित्साधिकारी ने निर्देश दिए टीबी उन्मूलन हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित करें, जिसके लिए पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाए प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करें साथ ही सोशल मीडिया पर भी टीबी के सम्बन्ध में जागरूकता लाई जाए। उन्होंने प्रत्येक चिकित्सालय में आने वाले टीबी मरीजों का शुगर एवं एचआईवी टेस्ट कराने हेतु पत्र प्रेषित करने की बात कही।

जिला टीबी रोग अधिकारी डॉ मनोज वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा ग्रामसभा एवं वार्ड स्तर पर टीबी उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आशाएं अपने क्षेत्रों में सघन अभियान चला रही हैं। जनपद में 108 ग्राम पंचायतों सर्वे किया गया जिसमें 223 ग्राम टीबी मुक्त हैं तथा अन्य क्षेत्रों में सर्वे गतिमान है, जिसमें टीबी मुक्त क्षेत्रों की संख्या निरंतर बढ रही है।

इस अवसर पर 06 टीबी चैम्पियन/वॉलिंटियर्स को पुरस्कृत किया गया, जो टीबी उन्मूलन अभियान में निरंतर योगदान दे रहीं है, जिसमें रितिका नेगी, पारूल, किरन थापा, आयूषी पैन्यूली, हीना परवीन, राधा कुमारी को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर जिला टीबी उन्मूलन अधिकारी डॉ मनोज वर्मा, आईएमए के अध्यक्ष डॉ संजय उप्रेती, डब्लूएचओ से डॉ विश्वजीत, डॉ अनिता जोशी, हेमलता सहित सम्बन्धित अधिकारी एंव कार्मिक उपस्थित रहे।

दून अस्पताल आईसीयू में भर्ती, डॉ. नरेश राणा की माताजी का निधन

देहरादून किसी ने सच ही कहा कि डॉक्टर भगवान का ही रूप होता है। डॉक्टर से जुड़ा एक ऐसा मामला सामने आया है कि हर कोई डॉक्टर की तारीफ करने से पीछे नहीं हट रहा है। ड्यूटी के लिए डॉक्टर की कर्तव्य निष्ठा देखकर हर कोई दंग रह गया है। तो दूसरी ओर, डॉक्टर की नम आंखें बहुत कुछ बयां कर रहीं हैं।

यह पूरा मामला देहरादून के दून अस्पताल में सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दून अस्पताल में तैनात डॉ. नरेश राणा की 80 वर्षीय माता जी दान को 21 दिसंबर को दून अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उनकी मां को ब्रेन हेमरेज होने पर आईसीयू में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों की टीम डॉ. राणा की माताजी का इलाज कर रही थी। इसी के बीच डॉ. राणा के पास मरीजों की भीड़ लगी हुई थी। मां की तबीयत खराब होने की सूचना पर डॉ. राणा मरीजों का इलाज करने में जुटे हुए थे। सारे मरीजों का इलाज करने के बाद डॉ. राणा ने अपनी मां से मिलने का फैसला किया था। लेकिन, दुख की बात यह रही कि मरीजों का इलाज में व्यस्ता के कारण डॉ. राणा अपनी माता जी से मिलने नहीं जा सके। आईसीयू में आखिरी पलों तक उनकी मां उनका इंतजार करती रहीं, और उन्होंने अस्पताल के आईसीयू में आखिरी सांस ली।

लोन के एक लाख साइबर ठग को लुटवाए

देहरादून। एक व्यक्ति ने एक लाख रुपये लोन लिया और रकम साइबर ठग को लुटा दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पटेलनगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक कमल कुमार लंठी ने बताया कि रामनरेश निवासी ब्रह्मपुरी निरंजनपुर ने तहरीर दी कि 06 नवंबर को उन्होंने होम क्रेडिट के माध्यम से एक लाख का ऑनलाइन लोन लिया गया था। रकम उनके खाते में उसी दिन आ गई। आरोप है कि उसके बाद उनको एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।

कॉल करने वाले ने खुद को होम क्रेडिट का मैनेजर बताया। उसने रामनरेश को बताया कि जो लोन उन्होंने लिया वो बहुत महंगा है। आरोपी ने उन्हें शिक्षा लोन लेने के लिए प्रेरित किया। विश्वास में आकर रामनरेश ने शिक्षा लोन लेने के लिए हामी भर दी। आरोपी ने कहा कि शिक्षा लोन के लिए उन्हें पुराने लोन की रकम लौटानी होगी। इसके लिए आरोपी ने उन्हें व्हाट्सएप्प के जरिए एक स्कैनर भेजा। रामनरेश ने ऑनलाइन 95 हजार रुपये खाते में भेज दिए। आरोप है कि इसके बाद संबंधित फोन नंबर बंद हो गया।

कोहरे व शीतलहर का सितम झेल रहे यात्री, शेड में हुआ कब्जा

◆स्टेशन रोड पर बने यात्री शेड में रेहड़ी-ठेली का हुआ कब्जा
◆खुले आसमान के नीचे बस का इंतजार करने को मजबूर हुए यात्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भले ही नगर निगम व प्रशासन शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के दावे कर रहे हैं। लेकिन, हकीकत यह है कि स्टेशन रोड में स्थित यात्री शेड पर पिछले लंबे समय से रेहड़ी-ठेली वालों का कब्जा बना हुआ है। नतीजा, यात्रियों को सर्द आसमान के नीचे खड़े रहकर वाहनों का इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में लगातार बढ़ रही ठंड व शीतलहर यात्रियों को परेशान कर रही है। शिकायत के बाद भी नगर निगम व प्रशासन शेड को अतिक्रमण मुक्त करने की सुध नहीं ले रहा।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार से हर रोज सैकड़ों यात्री पहाड़ व मैदान के लिए यात्रा करते हैं। दिल्ली से दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र को जाने वाले अधिकांश प्रवासी कई बार रात की बस से सुबह तीन बजे कोटद्वार स्टेशन में पहुंच जाते हैं। लेकिन, यहां से पर्वतीय रूट की बस पकड़ने के लिए उन्हें घंटों ठंड की अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ रहा है। यात्री शीतलहर के बीच सर्द आसमान के नीचे बस के इंतजार को मजबूर हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों के साथ यात्रा कर रहे मुसाफिरों को हो रही है। वर्षों पूर्व यात्रियों की सुविधा के लिए बाजार चौकी के समीप बनाए गए यात्री शेड पर भी रेहड़ी-ठेली का कब्जा हो गया है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बानने के दावे करने वाली पुलिस को यात्री शेड पर हुआ अतिक्रमण नहीं दिखाई देता।

सड़क पर भी बेपटरी व्यवस्था

कोटद्वार स्टेशन में यात्री सड़क किनारे खड़े होकर भी बस का इंतजार नहीं कर सकता। हालत यह है कि रेहड़ी-ठेली व अन्य व्यापारियों ने सड़क किनारे भी अपना कब्जा जमाया हुआ है। स्टेशन में फैली अव्यवस्थाओं के कारण यात्रियों को हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। यहीं नहीं पूर्व में कई बार हादसे भी हो चुके हैं।

कोटद्वार के स्टेशन रोड में यात्री शेड पर लगी रेहड़ी-ठेली

जंगली जानवरों का बढ़ रहा आतंक, निजात की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 में लगातार जंगली जानवरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आक्रोशित वार्डवासियों ने नगर निगम व वन विभाग से जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि वार्ड में मनाव एवं वन्य जीव संघर्ष का खतरा बना हुआ है। निवर्तमान पार्षद सुखपाल शाह के नेतृत्व में वार्डवासियों ने नगर आयुक्त वैभव गुप्ता को ज्ञापन दिया। बताया कि पश्चिमी झंडीचौड़ का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। ऐसे में आबादी में हर समय जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। आए दिन जंगली जानवर वार्ड में घूमते हुए नजर आ रहे हैं। शाम ढलते ही वार्डवासियों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। यही नहीं भालू व हाथी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। लाख शिकायत के बाद भी वार्ड में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था तक नहीं की गई है। वार्डवासियों ने जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलवाने के साथ ही क्षेत्र में ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था करने की मांग की है। इस मौके पर किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष पंडित चंद्र मोहन, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य बुद्धि प्रकाश, राजेंद्र सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

कण्वाश्रम के बेहतर विकास की उठाई मांग

कोटद्वार : कण्वाश्रम उत्थान संघर्ष व जनजागरण अभियान समिति ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड में कण्वाश्रम की झांकी को शामिल करने की मांग की है। कहा कि कण्वाश्रम राजा भरत की जन्मस्थली है। ऐसे में इसके बेहतर विकास के लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस संबंध में समिति के संयोजक नंदलाल धनगर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा। कहा कि कण्वाश्रम उत्तराखंड की पहचान है। लेकिन, आज तक इसके बेहतर विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा आज भी राजा भरत की यह जन्मस्थली विकास को तरस रही है। कण्वाश्रम के उत्थान को लेकर बनाई गई योजनाएं धरातल पर कहीं भी नजर नहीं आ रही। नंदलाल धनगर ने अयोध्या धाम की तर्ज पर कण्वाश्रम के विकास की भी मांग उठाई। साथ ही उन्होंने कोटद्वार का नाम बदल कर कण्वनगरी रखने की भी मांग की। कहा कि कण्वाश्रम को राष्ट्रीय पहचान मिले, इसके लिए दिल्ली में होने वाली परेड में इसकी झांकी दिखाई जानी चाहिए।

विद्यार्थियों को बताया एनएसएस का महत्व

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की ओर से आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। इस दौरान शिक्षकों व अतिथियों ने विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व के बारे में बताया।

वीणा विद्या मंदिर हाईस्कूल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य चन्दन सिंह, वीणा विद्या मंदिर हाईस्कूल लालपुर के प्रधानाचार्य मनमोहन नेगी विद्यालय के व्यवस्थापक विष्णु कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्वयंसेवियों द्वारा गीत व नृत्य प्रस्तुत किया गया। स्वयंसेवियों ने बताया कि एक सप्ताह तक उन्होंने शिवपुर तथा लालपुर ग्राम में साफ-सफाई, झाड़ियों का उन्मूलन तथा कूड़े का निस्तारण किया गया। ग्राम में साफ-सफाई के दौरान उनकों कई लोगों द्वारा प्रोत्साहित किया गया तथा कई लोगों द्वारा उनकों जलपान करवाया गया। स्वयंसेवियों द्वारा वीणा विद्या मंदिर विद्यालय परिसर की सफाई तथा पेड़ पौधों की सिंचाई करवाई गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य चन्दन सिंह नकोटी ने स्वयंसेवियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनएसएस बच्चों को बेहतर जीवन जीने की सीख देता है। अधिकारी मनीष मधवाल ने स्वयं सेवियों को बताया कि एनएसएस खेल मंत्रालय द्वारा संचालित होता है। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी सत्यपाल सिंह नेगी ने स्वयं सेवियों को एनएसएस के महत्व के बारे में बताया। इस मौके पर सहायक कार्यक्रम अधिकारी अरूण कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वयं सेवियों को संबोधित करते अतिथि

अधिसूचना जारी करने पर जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शासन की ओर से उत्तराखंड सरकारी सेवक पदोन्नति के लिए अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण संशोधित नियमावली 2023 की अधिसूचना जारी करने पर राजकीय शिक्षक संघ ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यहां जारी एक बयान में राजकीय शिक्षक संघ पौड़ी के पूर्व जिला मंत्री मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में शिक्षक कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में शिथिलीकरण व्यवस्था थी, लेकिन बाद में वर्तमान सरकार द्वारा उक्त व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। शिक्षक व कर्मचारी विगत लंबे समय से उक्त व्यवस्था को पुनः लागू करने की मांग कर रहे थे। लंबे इंतजार के बाद सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांग को जायज मानकर अधिसूचना निर्गत कर दी गई है। कहा कि इससे विभिन्न विभागों में वर्षों से रिक्त पड़े पदों को पदोन्नति से भरने में आसानी होगी।

महोत्सव में बिखरा गजेंद्र व मंगलेश की आवाज का जादू

सतपुली में धूमधाम से मनाया गया पंचायत महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सतपुली : सतपुली में आयोजित पंचायत महोत्सव में शनिवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोक गायक गजेंद्र राणा व मंगलेश डंगवाल की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत व विशिष्ट तिथि नरेंद्र सिंह कुट्टी, सीमा सजवान रहे। महोत्सव में मंगलेश डंगवाल ने जागरों की प्रस्तुति दी तो वहीं, लोक गायक गजेंद्र राणा ने अपने गानों से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्व प्रधान व महोत्सव समिति अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद डंगवाल और आयोजन साथियों के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने महोत्सव की प्रशंसा की। कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से कलाकारों को एक बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने युवाओं से भी अपनी संस्कृति व सभ्यता को बचाने के लिए आगे आने की अपील की। कहा कि हमारी संस्कृति व सभ्यता ही हमारी असली पहचान है। इस मौके पर जगदम्बा डंगवाल, कुसुम खंतवाल, इंदु जुयाल, चंद्रकला आर्य, नरेन्द्र सिंह मंडल अध्यक्ष सतपुली, पुष्पेन्द्र राणा, लोकेश वर्मा, सुचि राणा, रोहन नेगी, मीना लिंगवाल, गंगा खंतवाल, अमित रावत, पार्थ जुयाल आदि मौजूद रहे। संचालन नरेश सुन्द्रियाल द्वारा किया गया।

सतपुली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते सदस्य

स्नातक स्तरीय परीक्षा आज, 5372 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा रविवार को स्नातक स्तरीय के पदों की लिखित प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में डीएम डा. आशीष चौहान ने अफसरों को शांतिपूर्वक व नकलविहीन परीक्षा कराने के निर्देश दिए। स्नातक स्तरीय परीक्षा के लिए जिले के श्रीनगर में 11 केंद्रों में 3 हजार, जबकि कोटद्वार में 6 केंद्रों में 2372 परीक्षार्थी शामिल होंगे। शनिवार को आयोजित स्नातक स्तरीय (विभिन्न विभागों) के पदों की लिखित प्रतियोगी परीक्षा तैयारियों की बैठक में डीएम ने कहा कि आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा करवाई जाए। परीक्षा केंद्रों के आस-पास 100 मीटर की परिधि में कानून व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग के अफसरो को निर्देश दिए। जिले में कुल 17 परीक्षा केंद्रों में 5372 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बैठक में अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, एसडीएम कोटद्वार सोहन सिंह सैनी, श्रीनगर नुपुर वर्मा, सीओ पुलिस श्याम दत्त नौटियाल, एटीओ चंद्र मोहन आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों के निधन पर जताया शोक

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर व्यापार सभा के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल एवं प्रतिष्ठित व्यापारी गिरीश अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शोक संवेदना व्यक्त की है। डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि श्रीनगर व्यापार सभा के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल एवं गिरीश अग्रवाल के आकस्मिक निधन से श्रीनगर क्षेत्र को एक बहुत बड़ी क्षति हुई है। जिसकी भरपाई करना मुश्किल है। व्यापारियों के निधन पर भाजपा पौड़ी जिला अध्यक्ष सुषमा रावत, जिला महामंत्री गिरीश पैन्यूली, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र रावत, लखपत भंडारी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गणेश भट्ट, भाजपा श्रीनगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवांण, श्रीनगर अनु मोर्चा के अध्यक्ष गणेश प्रसाद टम्टा, महिला मोर्चा अध्यक्ष उषा कंडारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष पंकज रावत, किसान मोर्चा अध्यक्ष जितेंद्र रावत, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मयंक जैन, कुशलनाथ, पूजा गौतम ने दुःख व्यक्त किया। (एजेंसी)

कोटद्वार तहसील में हो स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति

समस्या के संबंध में अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से शासन को भेजा पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार तहसील में स्थायी तहसीलदार नियुक्त करने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से शासन को पत्र भेजा। कहा कि तहसीलदार नहीं होने से कई महत्वपूर्ण कार्य अधर में लटके हुए हैं। साथ ही फरियादियों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जनता की सुविधा के लिए जल्द ही इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए।

कोटद्वार बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने शासन को पत्र भेजा। कहा गया है कि शासन की सुस्त कार्यप्रणाली का खामियाजा कोटद्वार तहसील क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। पिछले छह माह से तहसीलदार का पद रिक्त होने के कारण लोगों के न्यायिक कार्य नहीं हो पा रहे हैं। दूर दराज के पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले लोग मायूस होकर लौट रहे हैं। कहा कि हालांकि कार्य की अधिकता को देखते हुए तहसील में दो नायब तहसीलदार नियुक्त हैं, लेकिन उन्हें दाखिल खारिज की अविवादित कार्रवाई करने के लिए प्रभार देना आवश्यक है। ज्ञापन में राजस्व सचिव से इस संबंध में अविलंब कार्रवाई करने की अपील की गई है। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में अधिवक्ता अरूण भट्ट, आशुतोष कंडवाल, हेमेंद्र नौटियाल, इंद्रेश भाटिया, मुकेश कबटियाल, लाजवंती भट्ट, नीलम रावत, गोपाल बौंठियाल, जितेंद्र चौहान और आलोक रावत आदि शामिल थे।

उपजिलाधिकारी के माध्यम से शासन को पत्र भेजते अधिवक्ता

सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

पौड़ी : मादक पदार्थों पोस्त, भांग आदि पर प्रभावी कार्रवाई के लिए बनाई गई जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में डीएम ने सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने अवैध शराब का व्यापार करने वाले व्यक्तियों की धर पकड़ के लिए पुलिस विभाग को सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को नशे के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए अधिक से अधिक ई-शपथ दिलाने, नशा-मुक्ति केंद्रों में आने वाले व्यक्तियों के माध्यम से नशे के प्रकार व पैटर्न को जानने के लिए की जा रही जीआईएस मैपिंग पर कार्रवाई करने, बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे दवाखानों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने शिक्षा विभाग के अफसरो को नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल व कालेज स्तर पर छात्रों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाने कहा। बैठक में एसएसपी श्वेता चौबे, सीएमओ डा. प्रवीण कुमार, एएसपी जया बलूनी आदि शामिल रहे।

पूर्व अर्द्धसैनिक बलों के कर्मियों की समस्याओं का होगा निराकरण

श्रीनगर गढ़वाल : एसएसबी श्रीनगर में अर्द्धसैनिक बलों सेवानिवृत कर्मियों की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें एसएसबी के उप महानिरीक्षक एससी नेगी ने कर्मियों की समस्याएं सुनीं व उनके समाधान का आश्वासन दिया।

एसएसबी के कलाकेन्द्र में आयोजित बैठक में अर्द्धसैनिक बलों में अपनी सेवाएं दे चुके कर्मियों ने डीआईजी के सामने वर्तमान में आ रही तमाम दिक्कतों को सामने रखा। जिसका संज्ञान लेते हुए एसएसबी के डीआईजी एससी नेगी ने उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व अर्द्धसैनिक बल के कर्मी हमारे अहम हिस्सा हैं। कहा कि किसी भी सूरत में उनके अधिकारियों का हनन नहीं होने दिया जायेगा। उन्होंने कर्मियों का आश्वासन देते हुए कहा कि जो समस्याएं उनके स्तर की होगी उनका समाधान करने की पूरी कोशिश रहेगी जबकि अन्य समस्याओं को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया जायेगा। उन्होंने बताया कि हर तीसरे माह में इस क्षेत्र के समस्त अर्द्धसैनिक बलों के सेवा निवृत कर्मियों की बैठक एसएसबी श्रीनगर में आयोजित की जाती है। जिसमें बड़ी संख्या में अर्द्धसैनिक बलों से जुड़े हुए लोग प्रतिभाग करते हैं। (एजेंसी)

रुद्रपुर में वाहन चालकों ने हाईवे जाम किया

रुद्रपुर(सं)। वाहन चालकों ने हिट एंड रन कानून में 10 साल तक की सजा का विरोध करते हुए एनएच–74 पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। सूचना पर किच्छा पुलिस मौके पर पहुंची और चालकों को समझाने की कोशिश की। उनके नहीं मानने पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उन्हें हटा दिया। इस दौरान करीब 40 मिनट तक हाईवे जाम रहा।

शनिवार को ट्रक चालक लालपुर में एनएच–74 पर पहुंचे और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि हिट एंड रन कानून में बदलाव कर सही नहीं किया गया है। वह इस कानून का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इस कानून में बदलाव नहीं होगा, वे वाहन नहीं चलाएंगे। इधर, सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और चालकों को समझाने की कोशिश की। उनके नहीं मानने पर पुलिस ने चालकों को एनएच से सख्ती से दूर हटा दिया। यह देख अन्य चालक भड़क गए और ट्रक के ऊपर चढ़कर प्रदर्शन करने लगे। इधर, किच्छा कोतवाल के समझाने पर वाहन चालक माने।

कोटद्वार ने ओढ़ी कोहरे की चादर, बढ़ने लगा ठंड का प्रकोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। शनिवार को पूरे दिन शहर में कोहरा छाया हुआ था। वहीं, शीतलहरों ने भी आमजन को परेशान करना शुरू कर दिया है। ठंड से बचाव के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया।

पिछले कई दिनों से ठंड के साथ ही गुनगुनी धूप खिल रही थी। लेकिन, शनिवार को अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। देर रात से ही शहर में घना कोहरा छाया हुआ था। जिसका प्रकोप पूरे दिन देखने को मिला। \

धूप के दर्शन नहीं होने से आमजन की मुसीबतें बढ़ गई। साथ ही सुबह कोहरे के साथ शीत हवाएं चलने से भी लोग हलकान रहे। लोगों ने अपने-अपने घरों में रहना ही मुनासिब समझा। हालांकि नगर निगम प्रशासन की ओर से विभिन्न स्थानों पर जलाए गए। अलाव का सहारा लेकर लोगों ने ठंड से बचाव किया। उधर, कोहरे का असर बुआखाल-नजीबाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी देखने को मिला। वाहन चालकों ने हाईवे पर हेडलाइट जलाकर आवागमन किया। इधर, विद्यालयों में शीतकालीन अवकाश घोषित न होने के कारण बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कोटद्वार के झंडाचौक में ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते श्रमिक

जर्जर स्थिति में विद्युत पोल, बड़ा हादसा होने का अंदेशा

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर में ऊर्जा निगम की लापरवाही कभी भी लोगों पर भारी पड़ सकती है।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग पर सड़क किनारे लगा बिजली का पोल जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है। लेकिन विद्युत विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

श्रीनगर बाजार के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग पर विद्युत पोल जंग लगने से निचला भाग पूरी तरह से खोखला हो गया है। कभी भी जर्जर स्थिति पर पड़ा पोल बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकता है। स्थानीय व्यापारी राजेश बडोनी और तनुज बडोनी ने बताया कि लम्बे समय से विद्युत पोल निचले हिस्से से खराब होता जा रहा है। कभी भी पोल दुर्घटना का सबब बन सकता है। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता युद्धवीर सिंह तोमर ने बताया कि विद्युत पोल से सम्बंधित कोई भी शिकायत दर्ज नहीं की गई है। (एजेंसी)

जिला स्तरीय समिति का गठन कर लिंगानुपात का पुनः सर्वे करें : डीएम

डीएम ने लिंगानुपात का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिये निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जनपद के लिंगानुपात को लेकर वर्चुअल माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को लिंगानुपात में सबसे अधिक गिरावट वाले ग्राम पंचायत की आशाओं का स्पष्टीकरण लेते हुए जांच करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी ने कम लिंगानुपात पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लिंगानुपात को लेकर जिला स्तरीय समिति का गठन करते हुए 43 गांव की सभी आशाओं की रिपोर्ट की जांच कर पुनः सर्वे करने व डाटा अपडेट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपस्थित अधिकारी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर, आशा कार्यकत्रियां।

शनिवार को जिलाधिकारी ने लिंगानुपात को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में लिंगानुपात में भारी गिरावट पाई गई है वहां पुनः जांच कर आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। गर्भधारण पूर्व व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 के अंतर्गत लिंगानुपात को लेकर पूर्व में किए गए सर्वे के आधार पर 43 गांव में लिंगानुपात में भारी गिरावट पाई गई थी। सर्वे के आधार पर जनपद के समस्त 15 विकासखंडों में से जयहरीखाल व थलीसैंण ब्लाक का लिंगानुपात सही पाया गया था। जबकि 13 विकासखंडों के ग्राम पंचायतों में लिंगानुपात में गिरावट पाई गई, जिसमें सबसे अत्यधिक यमकेश्वर व बीरोंखाल हैं। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुंवर, जिला समन्वयक अशीष रावत सहित समस्त ब्लॉक प्रभारी चिकित्साधिकारी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर, आशा कार्यकत्रियां उपस्थित थे।

4 जनवरी से शुरू होगा वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी स्मृति मेला

श्रीनगर गढ़वाल : मलेथा में वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी स्मृति सांस्कृतिक मेला आगामी 4 जनवरी से शुरू होगा। मेले को लेकर तैयारियां शुरू हो गयी है। वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी स्मृति सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में होने वाले मेले में वीरभड़ माधो सिंह की नृत्य नाटिका मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी।मेला समिति के सचिव सुरजीत सिंह राणा ने बताया कि पांच दिवसीय वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी स्मृति सांस्कृतिक मेला 4 जनवरी से शुरू होगा। जिसका शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मेले के पहले दिन छेणाधार स्थित माधो सिंह भंडारी के स्मारक में पूजा-अर्चना करने के बाद स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी दिन कीर्तन मंडलियां भी अपनी कीर्तन की प्रस्तुती देंगे। सूरजीत सिंह राणा ने बताया कि 5 और 6 जनवरी को मलेथा के युवाओं द्वारा सौड नाम तोक में वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी की नृत्य नाटिका का मंचन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मेले में 7 जनवरी को लोकगायक गजेंद्र सिंह राणा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 8 जनवरी को वीर शिरोमणि माधो सिंह भंडारी की नृत्य नाटिका की प्रस्तुती के साथ मेले का समापन होगा। उन्होंने क्षेत्र सहित आस पास की जनता से मेले में बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की है। (एजेंसी)

ब्लॉकों के सर्वांगीण विकास के लिए एक-एक गांव का चयन कर पूर्ण प्लान तैयार करें

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में मनरेगा एवं अमृत सरोवरों व प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की विकास खंड वार समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा के तहत जो भी कार्य निर्माणाधीन हैं उन कार्यों को शीघ्रता से शीघ्र पूर्ण करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। इसमें किसी भी तरह से कोई ढिलाई एवं शिथिलता न बरती जाए। अमृत सरोवरों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खंड विकास अधिकारी उनकी विकास खंडों में एक गांव का चयन करते हुए जिस गांव के सर्वांगीण विकास के लिए कलस्टर पर आधारित प्रोजेक्ट तैयार करते हुए एक मॉडल गांव तैयार किया जाए, जिसमें क्षेत्र में पशुपालन, डेयरी, कुक्कुट पालन, मत्स्य, उद्यानीकरण, कृषि, पर्यटन से संबंधित गतिविधियां, एनआरएलएम के तहत गठित समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों आदि के संबंध में संबंधित विभागों के साथ गांव का सर्वे करते हुए विस्तृत कार्य योजना 10 जनवरी, 2024 तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मत्स्य निरीक्षक को निर्देश दिए हैं कि सभी विकास खंडों में तैयार किए जा रहे अमृत सरोवरो में मत्स्य पालन को देखते हुए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें। इसके साथ ही संबंधित उप जिलाधिकारी के साथ संबंधित क्षेत्र की भूमि का निरीक्षण करते हुए भूमि किस श्रेणी की है इस इस संबंध में विस्तृत आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पाया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष आवासों का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए 10 जनवरी, 2024 तक सभी खंड विकास अधिकारियों को लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को हिदायत दी है कि निर्धारित तिथि तक लक्ष्य हासिल न करने पर संबंधित खंड विकास अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को भी प्रतिदिन खंड विकास अधिकारियों की मॉनीटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

सिमली बेस अस्पताल का लोगों को नहीं मिल रहा लाभ

चमोली। तीन साल पूर्व निर्मित और करीब डेढ़ साल से संचालित बेस अस्पताल का पूर्ण रूप से लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल पा रहा है। संसाधनों के अभाव में बेस अस्पताल महज एक शो पीस के रूप में बना है। जिससे नाराज स्थानीय लोगों ने शनिवार को सिमली रामलीला मैदान में बैठक कर रणनीति बनाई। साथ ही निर्णय लिया कि जनवरी पहले सप्ताह में एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री से मामले में वार्ता के लिए जाएगा। शनिवार को कार्यक्रम के संयोजक पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सिमली महिला बेस अस्पताल में आधा दर्जन करीब विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात हैं। लेकिन यहां पैरामेडीकल स्टॉफ, उचित दवाइयां और संसाधनों का नितांत अभाव बना है। यही नहीं सर्जन की तैनाती के बावजूद यहां ऑपरेशन के संसाधन नहीं हैं जिससे यहां ऑपरेशन भी नहीं हो पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि लगातार आंदोलन, अधिकारियों के निरीक्षण के बावजूद अस्पताल परिसर में झाड़ियां उग आई हैं। लेकिन संसाधन नहीं जुट पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द बेस अस्पताल में संसाधन नहीं जुटाए गए तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सनातन धर्म की रक्षा को आगे आएं : शंकराचार्य

नई टिहरी : ज्योतिष्पीठाधीश्वर अनंत विभूषित जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज का प्रथम केदार बेलेश्वर महादेव घनसाली में श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया।

श्रद्धालुओं ने बालगंगा और भिलंगना के संगम गणेश प्रयाग को विकसित करने की मांग रखी। शनिवार को उत्तरकाशी से बेलेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मंदिर समिति एवं वरिष्ठ नागरिक समिति के पदाधिकारियो के साथ ही सनातन धर्मावलंबियों ने फूल मालाओं से स्वागत कर दीक्षा ली, उन्होंने बेलेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किये,और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने महादेव मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि गंगोत्री-यमुनोत्री से नये यात्रा मार्ग पर प्रसिद्ध धाम बेलेश्वर महादेव के भी लोगों को दर्शन कर यहां से बेलपत्र लेकर केदारनाथ की यात्रा पर जाना चाहिए। ग्रीष्मकालीन के साथ ही शीतकालीन यात्रा भी की जानी चाहिए। लोगों ने शंकराचार्य को बालगंगा-भिलंगना नदियों के संगम गणेश प्रयाग के विकसित करने के बारे को लेकर जानकारी दी, उन्होंने इसके लिए सहयोग का आश्वासन देते हुये स्वयं भी दोबारा आने का भरोसा दिया। इससे पूर्व लोगों ने घनसाली स्थित एक होटल में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष बेलीराम तिवाड़ी, रावल देवेंद्र तिवाड़ी, चंदन पोखरियाल, उम्मेद सिंह चौहान, केदार सिंह रौतेला, धर्म सिंह बिष्ट, वीरेंद्र सेमवाल, प्रताप राणा, भरत सिंह नेगी, इंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

बहुउद्देश्यीय शिविर में 27 शिकायतें दर्ज, 20 का मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विकासखंड गैरसैंण के दूरस्थ गांव पंज्याणा मल्ला में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्रीय जनता ने 27 समस्याएं दर्ज की। जिनमें से 20 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। शिविर में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से तमाम प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही क्षेत्रवासियों को जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। स्वास्थ्य शिविर एवं विभागीय स्टॉलों पर 485 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया। शिविर में एक दिव्यांग प्रमाण पत्र, 03 यूडीआईडी, 7 आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। दूरस्थ क्षेत्र पंज्याणा मल्ला में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित करने पर क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर पर शिविरों के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर में जो भी समस्याएं रखी गई है, उनका प्राथमिकता पर निराकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया की क्षेत्र की समस्याओं को गंम्भीरता से लिया जाए। इस दौरान उन्होंने स्टालों का निरीक्षण करते हुए शत प्रतिशत पात्र लोगों को योजनाओं से आच्छादित करने के निर्देश दिए।

कुपोषित बच्चों को 31 मार्च 2024 तक कुपोषण से मुक्त करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए जनपद में कुपोषित बच्चों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए हैं कि जनपद में जो भी बच्चे कुपोषित हैं उन्हें कुपोषण से मुक्त कराने के लिए उन्हें 31 मार्च, 2024 तक कुपोषण से मुक्त कराने के लिए गंभीरता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन गांवों में बच्चे कुपोषित हैं उन गांवों के लिए रोस्टर तैयार करते हुए आरबीएस टीम के साथ समन्वय करते हुए कुपोषित बच्चों का 10 जनवरी, 2024 तक सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि इस संबंध में सभी अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षण के दौरान बच्चे का वजन कराते हुए कुपोषण के कारण के संबंध में पूर्ण विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस संबंध में सभी अधिकारी गंभीरता के साथ कार्य करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन गांव में बच्चों की संख्या अधिक है उन गांव में जिला कार्यक्रम अधिकारी को स्वयं निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश मिश्रा, बाल विकास परियोजना अधिकारी जखोली हिमांश बडोला, ऊखीमठ देवेश्वरी देवी, जिला समन्वयक चाणक्य कपरूवाण, ब्लॉक समन्वयक जखोली बलराम कोठारी, अगस्त्यमुनि पवन आर्य, अनसूया पटवाल, राजेंद्र रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

पीजी कॉलेज में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना

नई टिहरी : देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के तहत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पीजी कॉलेज नई टिहरी में दो दिवसीय बूट कैंप कार्यशाला के समापन पर कॉलेज में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना की गई। शनिवार को बूट कैंप कार्यशाला के समापन पर छात्रों ने भी उद्यमिता के क्षेत्र में अपने विचार रखे।

निर्णायक मंडल ने छात्रों के विचारों पर गहनता से चर्चा करते हुये बताया कि छात्रों के विचारों को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद को प्रस्तुतीकरण हेतु भेजा जाएगा। संस्थान सलाहकार डॉ. विनय नौटियाल ने छात्रों को उद्यम प्रारंभ करने के साथ उसे आगे बढ़ाने के बारे जानकारी दी। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने छात्रों को उद्यमिता के लिये प्रेरित करते हुए कहा कि उद्यम शुरू कर आत्मनिर्भर बनने को कहा। देवभूमि उद्यमिता योजना समिति संयोजक डॉ. पीसी पैन्यूली ने कहा कि छात्रों को स्वरोजगार के क्षेत्र में उद्यम शुरु करना चाहिए, ताकि और लोगों को भी रोजगार दिया जा सके।

कार्यालय ग्राम पंचायत दिवई, विकासखण्ड कल्जीखाल पौड़ी गढ़वाल

(अल्प कालीन निविदा सूचना)

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से ग्राम पंचायत दिवई विकास खण्ड कल्जीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत पंचायत भवन मरम्मत कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविधा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म व ठेकेदारों की श्रेणी
1	पंचायत भवन मरम्मत/ अनुमानित लागत-4.00 लाख	10000 हजार	500+GST 18%	07 दिन	45 दिन	डी एवं उच्चतर आर0 डब्ल्यू0डी0 जिला पंचायत पौड़ी में किसी भी विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय दिवई पर चस्पा कर दी गयी है।

(अनीता देवी)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत दिवई
विकासखण्ड कल्जीखाल।

रिश्ते में गरमाहट नहीं ?

हकीकत यह है कि भारत–रूस संबंध की वह गरमाहट फिलहाल मौजूद नहीं है, जो इस संबंध को एक विशेष रूप देती थी। इस बात की सबसे बड़ी मिसाल यही है कि यह लगातार दूसरा साल रहा, जब दोनों देशों में हर साल होने वाली शिखर वार्ता नहीं हुई।

विदेश में एस जयशंकर ने अपनी मास्को यात्रा के दौरान रूस के साथ भारत के पारंपरिक और दोनों देशों के लिए "लाभदायक" साबित हुए रिश्ते की चर्चा पूरे उत्साह से की। इस यात्रा के दौरान कुडनकुलम परमाणु संयंत्र के अगले चरण में सहयोग का करार हुआ। साथ ही भारत को रूस के कच्चे तेल एवं अन्य खनिजों का सबसे बड़ा बाजार बनाने का दावा किया गया। यह एलान भी हुआ भारत अगले वर्ष यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन (यूएईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता शुरू करेगा। यूएईयू पांच पूर्व सोवियत गणराज्यों का मुक्त व्यापार क्षेत्र है, जिसमें स्वाभाविक रूप से रूस सबसे बड़ी ताकत है। जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की प्रशंसा करते हुए उन्हें बहुपक्षीय दुनिया के निर्माण की प्रेरक शक्ति बताया। ये सारी बातें रूसी नेताओं को कर्णप्रिय लगी होंगी। नतीजा हुआ कि पुतिन ने जयशंकर से मुलाकात की, जबकि आम तौर पर वे विदेश मंत्रियों से नहीं मिलते हैं। पुतिन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी भारत को कर्णप्रिय लगने वाली कई बातें कहीं।

मगर हकीकत यह है कि भारत–रूस संबंध की वह गरमाहट फिलहाल मौजूद नहीं है, जो इस संबंध को एक विशेष रूप देती थी। इस बात की सबसे बड़ी मिसाल यही है कि यह लगातार दूसरा साल रहा, जब दोनों देशों में हर साल होने वाली शिखर वार्ता नहीं हुई। इसीलिए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह जयशंकर मास्को गए। विदेश मंत्री ने यह उम्मीद जरूर जताई है कि 2024 के आखिर में यह सिलसिला फिर शुरू हो सकता है। लेकिन बदलती भू–राजनीति कुछ अन्य संकेत देती है। एक तरफ रूस और चीन का गठजोड़ अमेरिकी वर्चस्व को तोड़ कर नई विश्व व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है, वहीं इस दौर में भारत अमेरिकी धुरी के बेहद करीब पहुंच गया है। इसका परिणाम भारत–रूस संबंधों पर पड़ा है। इसके बावजूद दोनों देश एक दूसरे के लिए कर्णप्रिय बातें कहते हैं, तो उसकी वजह है कि रक्षा से लेकर व्यापार तक के कई मामलों में दोनों के पास एक दूसरे का विकल्प नहीं है। इसलिए संबंध कायम है, लेकिन गरमाहट गायब हो गई है।

'कैथरिन द ग्रेट' का पुतिन रिकार्ड तोड़ेंगे ?

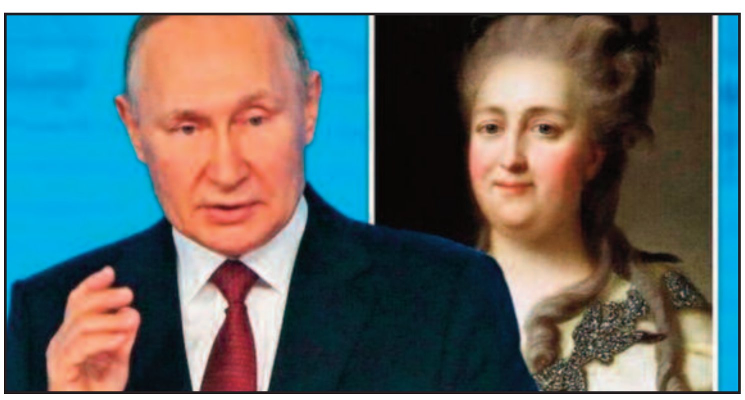

श्रुति व्यास

पुतिन के प्रबल आलोचक अलेक्से नवालनी 6 दिसंबर को अदृश्य हो गए थे। वे कहां हैं, या हैं भी कि नहीं, यह न उनके परिवार को पता था और ना ही उनके वकील को। फिर, 26 दिसंबर को एक्स पर नवालनी ने अपने समर्थकों को आर्कटिक जेल से संबोधित करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि वे 'भले चंगे' हैं। नवालनी को आईके–3 पीनल कालोनी में रखा गया है, जिसे 'पोलर वुल्फ' भी कहा जाता है। यह रूस के उत्तरी शहर खार्प में स्थित है, जो मास्को के उत्तरपूर्व में 1,900 किलोमीटर दूर है। आईके–3, यमालो–नेंनेटस स्वशासी क्षेत्र में स्थित है जिसे रूस की सबसे कठोर जेलों में से एक माना जाता है। यहां कैद ज्यादातर लोग गंभीर अपराधों की सजा काट रहे हैं।

नवालनी को आर्कटिक भेजा जाना हैरान करता भी है, और नहीं भी। उन्हें वस्तुतः पुतिन का व्यक्तिगत राजनैतिक कैदी माना जाता है। और चूंकि अगले साल मार्च में चुनाव होने हैं, इसलिए पुतिन यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी वापसी अत्यंत सुगमता से हो, बिना किसी झंझट के। पुतिन ने 8 दिसंबर को यह 'आधिकारिक घोषणा' कि वे मार्च के चुनाव में उम्मीदवार होंगे। वे पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं। जीतने के बाद वे 2030 तक सत्ता में रह सकेंगे। यह घोषणा उन्होंने किसी मंच से नहीं की वरन् सैनिकों से बातचीत के दौरान उन्होंने अपना इरादा जाहिर किया, जिसे कैमरे में कैद किया गया। पुतिन का मुकाबला स्वयं उनसे ही होगा झ संभवतः अपने ही एक अपेक्षाकृत युवा स्वरूप से झ क्योंकि उनका कोई सशक्त राजनैतिक विरोधी है ही नहीं। यदि वे जीतते हैं, और पूरे कार्यकाल तक राज करते हैं, तो 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध की रूस की शासक कैथरिन द ग्रेट के बाद पुतिन रूस के सबसे अधिक अवधि के शासक बन जाएंगे। इस वीडियो में सेना के अधिकारियों और उनके परिवारजनों से घिरे पुतिन कहते हुए नजर आते हैं, ''मैं छुपाऊंगा नहीं कि अलग–अलग समय पर मेरे मन में अलग–अलग विचार रहे हैं। लेकिन में रूस के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ूंगा"।

मार्च में चुनाव यह दिखाने के लिए करवाए जा रहे हैं कि दो साल पहले यूक्रेन पर आक्रमण करने के उनके फैसले को जनता का समर्थन हासिल है। विश्लेषकों का मानना है कि पुनःनिर्वाचन उनके लिए अपने राज को और अधिक वैधता प्रदान करने का जरिया होगा। अपने पक्ष में अधिक से अधिक मतदान से पुतिन का प्रयास रूस में अपनी लोकप्रियता का भव्य प्रदर्शन करने का होता है। वह समर्थन, जो बहुत से सुशिक्षित रूसियों के देश छोड़कर चले जाने, रूस के नए उभरते नागरिक समाज का गला घोंटे जाने और देश के पश्चिम से अलग–थलग पड़ जाने के बावजूद कायम है। स्वतंत्र रूसी जनमत सर्वेक्षण संस्था लेवाडा सेंटर द्वारा करवाए गए जनमत संग्रह के अनुसार 58 प्रतिशत रूसी चुनावों में पुतिन का समर्थन करेंगे।यह भी कमाल है झ या कहें जादू है झ कि चुनावों में पुतिन का सामना जिन स्थितियों से हो रहा है, वे एक साल पहले की तुलना में काफी बेहतर हैं। उनकी सेना यूक्रेन के पूर्व से लेकर दक्षिण तक पूरे अग्रिम मोर्चे पर आक्रमक स्थिति में है और कीव को पश्चिम द्वारा दिए जा रहे हथियार एवं अन्य सहायता कम होती जा रही है। इजराइल–हमास युद्ध के चलते पुतिन की वैश्विक स्थिति बेहतर हुई है क्योंकि फिलिस्तीनियों के हितों के प्रति सहानुभूति रखने वाले पश्चिमी देशों के बीच मतभेद गहरा गए हैं।

कांग्रेस 2004 से आगे नहीं बढ़ रही

अजीत द्विवेदी

विपक्ष की बैठकें हो रही हैं, सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए डेडलाइन तय की जा रही है? चुनाव लड़ने की रणनीति बन रही है और प्रचार के प्रबंधन पर भी टीमें बन गई हैं, जो थोड़ा बहुत काम कर रही हैं। लेकिन सवाल है कि विपक्ष का आंदोलन कहा है? जमीन पर लड़ने की तैयारी कहां दिख रही है? क्या बिना जमीनी लड़ाई लड़े विपक्ष अगले लोकसभा चुनावों में भाजपा को हरा देने के सपने देख रहा है? विपक्षी गठबंधन का अघोषित तौर पर नेतृत्व कर रही कांग्रेस के नेता क्यों नहीं 2004 के सिंड्रोम से बाहर निकल रहे हैं? जब भी किसी से पूछा जाता है कि 2024 के चुनाव में भाजपा को कैसे हराएंगे तो वह कहता है कि जैसे 2004 में हरा दिए थे। सोचें, क्या 2004 और 2024 में फर्क नहीं है? क्या अटल बिहारी वाजपेयी–लालकृष्ण आडवाणी वाली भाजपा और नरेंद्र मोदी–अमित शाह की भाजपा में अंतर नहीं है? पिछले 20 साल में गंगा–जमुना में कितना पानी बह गया, लेकिन कांग्रेस के नेता अभी वही अटके हैं!

ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को 2004 को याद करके खुशी मिलती है, उम्मीद बंधती है, फीलगुड होता है इसलिए वे उसी सिंड्रोम में अटके हैं। भारत के पिछले 75 साल के इतिहास में वह एकमात्र चुनाव था, जिसमें बिना किसी बड़े आंदोलन या विरोध प्रदर्शन के सत्ता बदल गई थी। न हारने वाले ने सोचा था कि वह हार सकता है और न जीतने वाले को यकीन था कि वह जीत भी सकता है। वाजपेयी सरकार शाइनिंग इंडिया और फीलगुड के नारे पर भाजपा लड़ रही थी और सौ फीसदी जीत के भरोसे में थी। लेकिन समय से पहले चुनाव कराने और एकाध राज्यों में गलत गठजोड़ की वजह से भाजपा हार गए। उसकी सीटें 183 से घट कर 138 रह गई। वह कांग्रेस से सात सीट पीछे हो गई। कांग्रेस उसी चमत्कार में अटकी है। असल में यह कांग्रेस नेताओं का भाग्यवाद है। वे पिछले 10 साल की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ कोई जन आंदोलन नहीं खड़ा कर पाने की अपनी अक्षमता को 2004 के चमत्कार से ढकना चाहते हैं।

कांग्रेस के नेता मानते हैं कि उस समय भी कोई आंदोलन नहीं हुआ था लेकिन तब भी कांग्रेस जीत गई थी। इसलिए अब भी कोई आंदोलन नहीं करेंगे और जीतना होगा तो जीत जाएंगे। कांग्रेस को यह याद रखना चाहिए कि 2004 के अलावा आजाद भारत के इतिहास में कभी सत्ता पलट किसी बड़े आंदोलन के बगैर नहीं हुआ है। 1975 की संपूर्ण क्रांति ने 1977 में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनाई थी। 1987 में बोफोर्स पर हुए आंदोलन ने 1989 में राजीव गांधी की चार सौ से ज्यादा सांसदों वाली सरकार को हराया था, 1996 में भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कांग्रेस की सरकार गई थी और 2011 के इंडिया अगेंस्ट करप्शन के आंदोलन ने 2014 में कांग्रेस की 10 साल की सरकार की विदाई का रास्ता बनाया था। कांग्रेस इन सबको भूल कर 2004 को पकड़े बैठी है, जो एक अपवाद है।

यह नियतिवादी सोच कांग्रेस को भारी पड़ने वाली है। उसे समझना चाहिए कि मौजूदा भाजपा वाजपेयी–आडवाणी वाली भाजपा नहीं है। अब मोदी और शाह की भाजपा जीत के अति आत्मविश्वास में कभी गाफिल नहीं रहती है और न कोई गलत गठजोड़ करती है। कुछ राज्यों में वह जरूर हारी लेकिन वहां भी उसने अपना वोट आधार कायम रखा या उसमें बढ़ोतरी की। यह जानते हुए कि स्थिति कमजोर और चुनाव हार जाएंगे, मोदी और शाह ने कई राज्यों में प्रचार के रिकॉर्ड बनाए। ऐसी मेहनत की, जैसी किसी चुनाव में पहले देखने को नहीं मिली। वे दोनों हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं, जैसे आखिरी चुनाव है। इसी तरह वाजपेयी–आडवाणी से उलट मोदी–शाह की भाजपा में गलत फैसलों को सीने से नहीं चिपकाए रखा जाता है। अगर कहीं गलती हो गई तो उसे तुरंत दुरुस्त किया जाता है।

मोदी और शाह के पास जो रणनीतिक लचीलापन है वह किसी और नेता में नहीं दिखता है। सरकार में आने के बाद पहले साल से लेकर अभी तक भूमि अधिग्रहण कानून से पीछे हटने से लेकर तीन विवादित कृषि कानूनों तक मोदी और शाह ने यह दिखाया है। राजनीतिक समझौतों में महबूबा मुफ्ती से लेकर नीतीश कुमार, एचडी देवगौड़ा और अजित पवार तक भाजपा ने गजब लचीलापन दिखाया है। इसके लिए उसकी आलोचना भी होती है लेकिन चुनावी जीत के आगे सारी आलोचना दब जाती है। पुरानी और नई भाजपा का फर्क यह भी है कि मोदी–शाह ने लगभग सारे पुराने वादे पूरे कर दिए हैं। अनुच्छेद 370 हटाने से लेकर अयोध्या में राममंदिर के निर्माण का काम पूरा हो गया है। समान नागरिक संहिता आने वाली है और तीन तलाक को अपराध बनाया जा चुका है। अयोध्या के बाद काशी और मथुरा में सर्वे का काम शुरू हो गया है। यह दीर्घकालिक परियोजना है, जिससे शॉर्ट टर्म के ध्रुवीकरण की नहीं, बल्कि हिंदू पुनरुत्थान या पुनर्जागरण का माहौल बना है।

भाजपा इतनी बदल गई लेकिन कांग्रेस के नेता अब भी 2004 को सीने से चिपकाए हुए हैं। लगातार हार के बाद भी कांग्रेस के नेता समझ रहे हैं कि उन्हें बैठे बैठे सत्ता मिलेगी। भाजपा और उसकी केंद्र सरकार गलतियां करेंगे और लोग खुद ही उनको हटा कर कांग्रेस को चुन देंगे। ऐसा नहीं होने वाला है। कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को लड़ने की तैयारी करनी होगी। लड़ाई भी मामुली नहीं होगी। कांग्रेस लंबा समय गंवा चुकी है। पिछले नौ साल में उसने कोई जन आंदोलन नहीं खड़ा किया है। सरकार के ऊपर आरोप तो बहुत लगाए लेकिन सड़क पर उतर कर कोई लड़ाई नहीं लड़ी है। किसानों ने अपनी लड़ाई लड़ी और भूमि अधिग्रहण कानून भी वापस कराया और कृषि कानून भी वापस कराए। लेकिन कांग्रेस सिर्फ मुद्दे उठाती रही और आरोप लगाती रही। यह जानते हुए कि उसके किसी भी आरोप को मीडिया में तवज्जो नहीं मिलने वाली है कांग्रेस उसी भरोसे में रही। तभी अब राहुल गांधी संसद में मीडिया को देख कर कहते हैं कि कुछ दिखा दीजिए आपकी भी जिम्मेदारी बनती है।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की, जिससे उनकी निजी छवि बदली और उन्हें गंभीरता से लिया जाने लगा। लेकिन उन्होंने अपनी यात्रा में जो मुद्दे उठाए थे वह लोकप्रिय विमर्श से गायब हैं। मोहब्बत की दुकान का जुमला उन्होंने पता नहीं कब से नहीं बोला है। विचारधारा की लड़ाई का मामला भी अब परदे के पीछे है। संसद की सुरक्षा में चूक के बाद राहुल गांधी ने बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा उठाया। कांग्रेस इन दो मुद्दों पर बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकती है। पूरे देश में बड़ी आबादी बेरोजगारी और महंगाई से परेशान है। अलग अलग सर्वेक्षणों में 80 फीसदी तक लोगों ने इसे बड़ा मुद्दा माना है। यह आज की समस्या नहीं है लेकिन दुर्भाग्य से 10 साल में कांग्रेस इस पर को आंदोलन नहीं कर सकी है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाया लेकिन उसे लेकर कोई लड़ाई नहीं किया।

कांग्रेस ने अपना कोई वैकल्पिक एजेंडा नहीं पेश किया। यह नहीं बताया कि अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो महंगाई, भ्रष्टाचार कैसे कम होगा या क्रेनी कैपिटलिज्म पर कैसे काबू पाएंगे या सरकारी संपत्ति को बेचने के फैसलों को कैसे पलटेंगे? न तो कांग्रेस सड़क पर उतरी और न उसकी सहयोगी पार्टियां उतर रही हैं। सहयोगी पार्टियों की दूसरी समस्या है। ज्यादातर सहयोगी पार्टियां सरकार में हैं। बिहार में राजद और जदयू, झारखंड में जेएमएम, तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। उनकी मुश्किल यह है कि अपने ही राज्य में वे किसके खिलाफ आंदोलन करें! सो, ये पार्टियां भी सिर्फ बयान देकर भाजपा से लड़ रही हैं। इन्हें उलटे अपनी सरकार की एंटी इन्कम्बेंसी का जवाब देना है। तभी विपक्ष का न कोई मुद्दा है, न लड़ाई है, न नैरेटिव है और न कोई आंदोलन है।

राहुल क्या अयोध्या से फोकस हटा पाएंगे?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी जिस दिन मणिपुर से भारत न्याय यात्रा शुरू करेंगे उसके दो दिन बाद 16 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू होगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पहले से तय था। कई महीने पहले इसी तारीख घोषित हो गई थी। लेकिन राहुल की भारत न्याय यात्रा की तारीख 27 दिसंबर को घोषित की गई। यह महज संयोग नहीं है कि राहुल अपनी यात्रा 14 जनवरी से शुरू कर रहे हैं। उनकी दूसरी यात्रा जो पूरब से पश्चिम की होनी थी उसकी चर्चा कई महीनों से चल रही थी। पहले यह भी कहा जा रहा था कि अक्टूबर वे यह यात्रा शुरू कर सकते हैं। लेकिन यात्रा शुरू हो रही है 14 जनवरी से।

अब सवाल है कि क्या राहुल गांधी मणिपुर से जो यात्रा शुरू करेंगे उससे वे अयोध्या के कार्यक्रम से ध्यान हटा पाएंगे या उससे कोई समानांतर नैरेटिव सेट कर पाएंगे? गौरतलब है कि राहुल गांधी ने पिछले साल जो भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी वह कांग्रेस और सहयोगी पार्टियों के असर वाले इलाके से की थी। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके की सरकार थी, जहां से यात्रा शुरू हुई थी। उसके बाद केरल और कर्नाटक दोनों राज्यों में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी थी और बहुत मजबूत थी। एक आंध्र प्रदेश के छोड़ कर बाकी जिस राज्य से भी कांग्रेस की यात्रा गुजरी वहां कांग्रेस बहुत मजबूत थी। लेकिन न्याय यात्रा का शुरुआती चरण ऐसे राज्यों में है, जहां से कांग्रेस लगभग साफ हो चुकी है।पूर्वोत्तर में किसी राज्य में कांग्रेस का आधार नहीं बचा है। हाल में हुए मिजोरम के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पांच सीटों से घट कर एक सीट पर आ गई है। भाजपा को भी उससे एक सीट ज्यादा मिली है। मणिपुर से शुरू करके वे नगालैंड, असम होते हुए मेघालय जाएंगे और वहां से पश्चिम बंगाल पहुंचेंगे। इन पांच राज्यों में कांग्रेस बहुत कमजोर है। दूसरे, आमतौर पर पूर्वोत्तर की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में ज्यादा जगह नहीं पाती हैं। दूसरे, अयोध्या में राम मंदिर के कार्यक्रम को लेकर अभी से जैसा माहौल बन रहा है और सारी दुनिया जिस तरह से इस कार्यक्रम से जुड़ रही है उसे देखते हुए नहीं लगता है कि राहुल की यात्रा पर ज्यादा फोकस बनेगा।

उत्तर भारत में कोहरे की मार : आईजीआई हवाई अड्डे पर 80 उड़ानों में देरी, कई ट्रेनें भी 11 घंटे तक लेट

नई दिल्ली , उत्तर भारत में पड़ रहे घने कोहरे का असर सड़क, रेल और फ्लाइट सेवाओं पर शनिवार को भी पड़ रहा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण कई उड़ानें लेट हैं। दिल्ली के सभी रेलवे स्टेशनों से आने और जाने वाली कई ट्रेनें भी आज देरी से चल रही हैं। रेलवे की तरफ से बताया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे और कम दृश्यता के कारण कुछ ट्रेन विलंब से चल रही हैं। ट्रेन का इंतजार कर रहे एक यात्री बताया कि वह माता वैष्णो देवी जा रहा है और उसकी ट्रेन दो घंटे से ज्यादा लेट है। ट्रेन 5.30 बजे आने वाली थी लेकिन अभी तक नहीं आई।मिली जानकारी के अनुसार, तेलंगाना एक्सप्रेस 3.40 घंटे, पंजाब

मेल 6.07, गोरखधाम एक्सप्रेस, श्रमशक्ति एक्सप्रेस, लखनऊ मेल, दादर एक्सप्रेस, बांद्रा–श्रीमाता वैष्णोदेवी समेत कई ट्रेनें काफी देरी से चल रही हैं। दिल्ली एयरपोर्ट के सूत्रों ने बताया कि आज सुबह 8.30 बजे तक आईजीआई एयरपोर्ट से जाने वाली करीब 80 फ्लाइट लेट हैं। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम की वजह से उड़ान सेवाओं पर भारी असर पड़ा है। इसकी वजह से कई फ्लाइट निर्धारित समय से काफी लेट है।एयरपोर्ट पर एक यात्री ने कहा कि हम नए साल का जश्न मनाने के लिए गंगटोक सिक्किम जा रहे हैं लेकिन हमारी उड़ान में 2 घंटे की देरी हो गई है। अगर इसमें और देरी हुई तो हम शिकायत करेंगे। बता दें कि घने कोहरे के कारण दिल्ली में परिवहन सेवाएं प्रभावित हैं। शुक्रवार को दिल्ली आने वाली 11 ट्रेनें कोहरे के कारण देरी से चलीं। इसके अलावा कई फ्लाइट भी लेट हुई थीं। वहीं कुछ के रूट भी डायवर्ट किए गए थे। 25 दिसंबर की मध्यरात्रि से 28 दिसंबर को सुबह छह बजे के बीच खराब मौसम के कारण कुल 58 उड़ानों के मार्ग परिवर्तित किए जा चुके हैं।

सीबीआई की अदालत ने मास्टर स्टील के प्रबंध सहायक को ठहराया दोषी

विशाखापत्तनम एजेंसी। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों की एडिशनल स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश सीएन मूर्ति ने बैंक धोखाधड़ी मामले में सुनाये गए फैसले में मैसर्स मास्टर स्टील ट्यूब के प्रबंध सहायक एम सुधाकर राव को दोषी करार दिया। यहां सीबीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि अदालत ने सुधाकर को पांच साल की कठोर कैद और कुल 6,000 रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई।

यह आरोप लगाया गया था कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के आरोपी लोक सेवकों ने बेईमानी और धोखाधड़ी के इरादे से और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके, निजी व्यक्तियों और स्वीकृत बैंक मूल्यांकनकर्ताओं के साथ मिलकर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, लघु उद्योग वित्त शाखा को धोखा देने की साजिश रची। विशाखापत्तनम और उक्त आपराधिक साजिश के तहत 52.50 लाख रुपये का नकद क्रेडिट, 39 लाख रुपये का अंतर्देशीय ऋण पत्र, दो लाख रुपये की कार के लिए सावधि ऋण के लिए बढ़ी हुई संपार्श्विक और अतिरिक्त संपार्श्विक प्रतिभूतियों और जाली लॉरी रसीदें तथा चालान स्वीकृत किए गए। इस तरह बैंक को गलत तरीके से 60,49,227 रुपये का नुकसान और खुद को पहुंचाया गया। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने मैनेजिंग पार्टनर को आईपीसी की धारा 420 और 120–बी के तहत अपराध के लिए दोषी ठहराया।

तोमर ने योगी आदित्यनाथ से की भेंट

भोपाल , एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आज लखनऊ प्रवास के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सौजन्य भेंट की। योगी ने तोमर को विधानसभा के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी।

विधानसभा की ओर से आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार तोमर ने मुख्यमंत्री योगी को मध्यप्रदेश के एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत निर्मित उत्पाद भी भेंट किए। तोमर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के मंदिर निर्माण पूर्ण होने एवं 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किए जाने की बधाई दी। प्रवास के दौरान तोमर ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना से भी सौजन्य भेंट की एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा का अवलोकन किया। तोमर का महाना द्वारा सम्मान किया गया एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा सदस्यों के लिए लागू की गई ई–विधान परियोजना तथा तकनीक का उपयोग कर किये गए कार्यों के संबंध में चर्चा कर जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव ए पी सिंह भी अध्यक्ष के साथ थे।

केंद्र की योजनाओं को लोगों तक नहीं पहुंचने दे रही नीतीश सरकार : भाजपा

राजगीर ,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने बिहार सरकार पर केन्द्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक नहीं पहुंचने देने का आरोप लगाया है।

शाक्य ने आज नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड के जगदीशपुर तियारी में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान पत्रकारों से कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं बनाकर धरातल उतारने का काम किया गया है जिसे बिहार सरकार आम जनता तक नहीं पहुंचने दे रही है।

सांसद ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान केंद्र सरकार की कई योजना का लाभ गरीबों झ वंचित लोगों को मिलता लेकिन यहां कई विभागों के अधिकारी मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार नहीं चाहती है कि गरीबों को केंद्र सरकार की योजना का लाभ मिले।

दुनिया में सबसे लंबी समुद्री सड़क सुरंग का शील्ड टनलिंग ऑपरेशन शुरू

बीजिंग ,एजेंसी। दुनिया में सबसे लंबी समुद्र के नीचे की सड़क सुरंग यानी चीन के शानतोंग प्रांत के छिंगदाओ शहर स्थित च्याओचो खाड़ी की दूसरी सुरंग का शील्ड टनलिंग ऑपरेशन शनिवार को शुरू हुआ। अनुमान है कि सुरंग का निर्माण दिसंबर 2027 में पूरा होने के बाद इस पर यातायात शुरू होगा।

बताया जाता है कि इस बार ढाल की खुदाई की दूरी 3,255 मीटर है। च्याओचो खाड़ी के समुद्र तल की भूवैज्ञानिक स्थिति जटिल है। निर्माण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई उन्नत प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया गया।

फिर डराने लगा कोरोना! बीते 24 घंटों में आए 797 नए मामले, 5 मरीजों की गई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। बीते 24 घंटों के दौरान देश भर में कोरोना के 797 मामले सामने आए हैं। ये बीते 7 महीनों में एक दिन में आए सबसे अधिक केस हैं। डराने वाली बात यह है कि कोरोना से 5 मरीजों की मौत भी हुई है। इनमें से दो मौत केरल और महाराष्ट्र, पुडुचेरी और तमिलनाडु में एक एक मौत हुई है। बता दें कि इससे पहले देश में सबसे अधिक केस 18 मई को सामने आए थे जिनकी संख्या 865 थी।

देश में कोरोना के नए वेरिएंट खठ1 के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में अब तक

इस वेरिएंट के 162 मामले सामने आ चुके हैं। सबसे अधिक 83 मामले केरल में सामने आए हैं। इसके अलावा गुजरात से 34, गोवा 18, कर्नाटक 9 महाराष्ट्र 7, राजस्थान 5 तमिलनाडु 4, तेलंगाना 2 और दिल्ली में 1 मामला सामने आया है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस नए वेरिएंट के लक्षण नॉर्मल है और मरीज चार से पांच दिन में ठीक हो जा रहे हैं। मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही। वहीं, हेल्थ एक्सपर्ट ने लोगों से पैनिक न करने की सलाह दी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पूरे देश में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी इस वजह से भी हो कि है क्योंकि टेस्टिंग बढ़ा दी गई है। टेस्टिंग की संख्या जितनी अधिक होगा मामले भी उतने अधिक सामने आएंगे। ऐसे में पैनिक होने की जरूरत नहीं है।

सोनोरा में पार्टी के दौरान सशस्त्र समूह ने किया हमला, 6 लोगों की मौत, 26 अन्य घायल

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के उत्तर–पश्चिमी राज्य सोनोरा में एक पार्टी के दौरान सशस्त्र समूह की ओर से किए गए हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सोनोरा अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के प्रमुख गुस्तावो सालास ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, "हमला काजेमे नगर पालिका में स्यूदाद ओब्रेगॉन की सड़कों पर एक तकनीकी–पार्टी में हुआ।" उन्होंने कहा कि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। राज्य के सैन्य और पुलिस अधिकारियों ने हमलावरों के समूह की पहचान कर ली है।

उन्होंने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि यह एक आपराधिक समूह के नेता के खिलाफ हमला था, जिसके खिलाफ हत्या, स्त्री–हत्या, स्वतंत्रता से अवैध रूप से वंचित करने और आपराधिक सहयोग के लिए पांच गिरफ्तारी वारंट हैं।

अधिकारी ने कहा कि इसके कारण घटनास्थल पर लोगों पर पीछे से भी हमले हुए, जिसके कारण तीन महिलाओं सहित पांच अन्य की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की तलाश के लिए विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा बलों को स्यूदाद ओब्रेगॉन में तैनात किया गया है। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच, मेक्सिकन सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट बिएनस्टार अस्पताल के निदेशक बीट्रिज़ एलेना एंटिलॉन रोसास ने कहा कि घायल लोगों में से चार की हालत गंभीर है और 13 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, बोले– रेल किराया बढ़ाकर गरीब का दमन कर रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए शनिवार को कहा कि वह विभिन्न श्रेणियों का रेल किराया बढ़ाकर गरीबों का हक मार रही है और बुजुर्गों के लिए रेल किराया छूट खत्म कर वरिष्ठ नागरिकों के साथ अन्याय कर रही है। राहुल गांधी ने आज 'एक्स' पर कहा कि रेल गरीब की सवारी है लेकिन मोदी सरकार गरीबों को इससे वंचित करना चाहती है इसलिए हर श्रेणी के किराया में बढ़ोतरी की जा रही है।

उन्होंने कहा, "गरीबों की सवारी' भारतीय रेल के हर वर्ग का किराया बढ़ाया गया, किराए में बुजुर्गों को मिलने वाली छूट तक खत्म कर दी गई,प्लेटफार्म टिकट के दाम बढ़ाए गए, निजीकरण के द्वार खोल दिये गए, जनता की मेहनत की कमाई से निचोड़ा जा रहा यह पैसा क्या 'सेल्फी स्टैंड' बनाने के लिए था!" उन्होंने कहा, "भारत की जनता को क्या चाहिए। सस्ता गैस सिलेंडर और सुलभ रेल यात्रा या 'शहंशाह के बुत' के साथ तस्वीर।"

अमेरिका में भारतीय मूल के अमीर दम्पति और उनकी बेटी की मौत, संदिग्ध परिस्थितियों में हवेली में मिले मृत

न्यूयॉर्क ,एजेंसी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी राज्य मैसाचुसेट्स में एक स्पष्ट घरेलू हिंसा की घटना में भारतीय मूल के एक धनी जोड़े और उनकी बेटी को उनकी 5 मिलियन डॉलर की हवेली में मृत पाया गया। 57 वर्षीय राकेश कमल, उनकी पत्नी, 54 वर्षीय टीना और उनकी 18 वर्षीय बेटी एरियाना के शव शाम लगभग 7:30 बजे उनकी डोवर हवेली में पाए गए। नॉरफ़ॉक डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी (डीए) माइकल मॉरिससी ने कहा। डोवर मैसाचुसेट्स की राजधानी बोस्टन शहर से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में है। टीना और उनके पति, जो रिक के साथ भी गए थे, पहले एडुनोवा नामक एक बंद हो चुकी शिक्षा प्रणाली कंपनी चलाते थे।

जिला अटॉर्नी, जिन्होंने भयानक त्रासदी को घरेलू हिंसा की स्थिति के रूप में वर्णित किया, ने कहा कि पति के शरीर के पास एक बंदूक पाई गई थी। उन्होंने यह कहने से इनकार कर दिया कि क्या परिवार के सभी तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या की गई थी या किसके द्वारा। मॉरिससी ने कहा कि वह इस घटना को हत्या–आत्महत्या के रूप में संदर्भित करने का निर्णय लेने से पहले मेडिकल परीक्षक के फैसले का इंतजार कर रहे थे, जो जल्द ही आने की उम्मीद थी। जिला अटॉर्नी ने हत्याओं के मकसद पर अटकलें लगाने से इनकार कर दिया।

ऑनलाइन रिकॉर्ड से पता चलता है कि दंपति को हाल के वर्षों में वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा है। जिला अटॉर्नी ने कहा कि उनके शवों की गंभीर खोज तब हुई जब एक या दो दिनों में परिवार के सदस्यों से कोई जानकारी नहीं मिलने के बाद एक रिश्तेदार उनके पास जांच करने के लिए रुका था। मॉरिससी ने कहा कि घर से जुड़ी कोई पूर्व पुलिस रिपोर्ट या घरेलू घटना नहीं थी।

मॉरिससी ने कहा, कोई पुलिस रिपोर्ट नहीं हुई है, कोई समस्या नहीं है, कोई घरेलू समस्या नहीं है, उस घर या पूरे पड़ोस में कुछ भी नहीं है जिसके बारे में मुझे जानकारी है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और इस त्रासदी पर हमारी संवेदना पूरे कमल परिवार के साथ है। मॉरिससी ने घरेलू हिंसा की घटनाओं के बारे में कहा, मुझे इसे किसी भी समय देखने से नफरत है। मुझे लगता है कि रिश्तों में लोगों द्वारा महसूस किए जाने वाले कुछ तनाव अक्सर छुट्टियों के दौरान सामने आते हैं। जिला अटॉर्नी ने कहा कि हत्याओं की जांच जारी है और जांचकर्ताओं ने रात भर अपराध स्थल पर काम किया है। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा, हालांकि जांच बहुत शुरुआती चरण में है, लेकिन इस समय उपलब्ध सबूत किसी बाहरी पक्ष की संलिप्तता का संकेत नहीं देते हैं, लेकिन यह सुझाव देते हैं कि यह घरेलू हिंसा की एक घातक घटना है। ऐसा नहीं माना जाता है कि इस घटना से डोवर समुदाय को कोई खतरा है। परिवार की विशाल हवेली जिसकी अनुमानित कीमत $5.45 मिलियन है एक साल पहले फौजदारी में चली गई और मैसाचुसेट्स स्थित विल्सनडेल एसोसिएट्स एलएलसी को $3 मिलियन में बेच दी गई।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रिकॉर्ड के अनुसार, कमल ने 19,000 वर्ग फुट की संपत्ति झ जिसमें 11 शयनकक्ष हैं 2019 में $4 मिलियन में खरीदी थी। डीए ने कहा कि उस समय हवेली में केवल परिवार के सदस्य ही रहते थे, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र, राज्य के सबसे अमीर इलाकों में से एक, एक अच्छा पड़ोस, एक सुरक्षित समुदाय था। राज्य रिकॉर्ड से पता चलता है कि उनकी कंपनी 2016 में लॉन्च की गई थी लेकिन दिसंबर 2021 में भंग कर दी गई थी।टीना कमल को एडुनोवा की वेबसाइट पर कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें उन्हें भारत में हार्वर्ड विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा बताया गया था। एडुनोवा वेबसाइट पर उनकी जीवनी के अनुसार, कमल बोस्टन विश्वविद्यालय और एमआईटी स्लोअन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के साथ–साथ स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र थे।

गुरुग्राम के अस्पताल कोविड–19 के उप–संस्करण जेएन.1 के लिए अलर्ट पर

गुरुग्राम ,एजेंसी। देशभर में बढ़ते कोविड–19 सब–वेरिएंट जेएन.1 सक्रिय मामलों को देखते हुए, गुरुग्राम प्रशासन ने सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। गुरुग्राम में अब तक ऐसे कुल 12 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि दो लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने गुरुग्राम के सभी अस्पतालों को विशेष रूप से सीओवीआईडी –19 लक्षणों वाले रोगियों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड स्थापित करने का निर्देश दिया है।

भारतीय शटलर का पहला लक्ष्य शीर्ष 16 के लिए क्वालीफाई करना

नई दिल्ली ,वर्ष 2023 भारतीय बैडमिंटन के प्रशंसकों के लिए एक विविध अनुभव के रूप में सामने आया।

जहां पुरुष खिलाड़ियों, विशेष रूप से सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने रिकॉर्ड तोड़कर और खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं, वहीं स्थापित महिला एकल स्टार पी.वी. सिंधु को इंजरी ब्रेक के बाद वापसी करते समय बाधाओं का सामना करना पड़ा।पेरिस ओलंपिक शुरू होने में 244 दिन शेष हैं, 2024 सीजन में भारतीय शटलरों का लक्ष्य रोड टू पेरिस में शीर्ष 16 में स्थान सुरक्षित करना होगा।सीजन की शुरुआत सुपर 1000 मलेशिया ओपन और सुपर 750 इंडिया ओपन से होगी।पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ 1 मई, 2023 को सुदीरमन कप के साथ शुरू हुई और 28 अप्रैल, 2024 को समाप्त होगी।सात्विक और चिराग निर्विवाद रूप से पूरे 2023 में भारतीय बैडमिंटन में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में सामने आए। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और 2022 थॉमस कप में भारत के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान सहित अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर, इस जोड़ी ने अपना कद ऊंचा किया।एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, उन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और इस उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली भारतीय युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की। उनकी उन्नति जारी रही और वे प्रतिष्ठित विश्व नंबर 1 रैंकिंग पर पहुंच गए, जो उनकी यात्रा में एक शानदार प्रगति का प्रतीक है।

पहले से ही अपने सजाए गए सीवी को ढेर सारी चीजों से सजाने के बाद, गतिशील जोड़ी अब इसे और अधिक सजाने के लिए तैयार है, जिसका लक्ष्य भारतीय बैडमिंटन में सच्चे दिग्गजों के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

सात्विक और चिराग कई विश्व टूर स्पर्धाओं में विजयी हुए हैं, और शानदार ऑल इंग्लैंड ओपन को अजेय बना दिया है झ एक टूर्नामेंट जिसे पहले केवल दो भारतीयों ने जीता था 1980 में प्रकाश पादुकोण और 2001 में पुलेला गोपीचंद।

ओलंपिक योग्यता के अलावा, भारतीय शटलर प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन में जीत के लिए 23 साल की लंबी खोज को समाप्त करने के लिए उत्सुक होंगे।

जबकि युगल टीमों ने अपनी उपलब्धियों पर खुशी जताई, एच.एस. प्रणय के उल्लेखनीय अपवाद को छोड़कर, एकल प्रदर्शन में बहुत कुछ अपेक्षित नहीं था। प्रणय, जिन्होंने अंततः अपनी प्रगति पाई। लंबे समय तक अपने साथियों से छाया रहा, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इसे चैम्पियनशिप जीत में बदलने के लिए संघर्ष किया था।

हालाँकि, प्रणय का पुनरुत्थान, जो 2022 में शुरू हुआ, अगले वर्ष तक जारी रहा, जब उन्होंने सुपर 500 जीत हासिल की, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे स्थान पर रहे, इसके अलावा बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेलों में, प्रणय ने पुरुष टीम के साथ रजत और एकल में ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भारत का 41 साल का इंतजार खत्म हुआ। जैसे–जैसे 2024 ओलंपिक नजदीक आ रहा है, प्रणय वैश्विक बैडमिंटन मंच पर एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभर रहे हैं।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु के लिए 2022 के शानदार प्रदर्शन के बाद 2023 चुनौतियां लेकर आया। चोटों के कारण उन्हें विश्व चैंपियनशिप सहित सात टूर्नामेंटों में जल्दी बाहर होना पड़ा।इसके अतिरिक्त, 2023 में कोचिंग में बदलाव आया क्योंकि जुलाई में मलेशिया के मोहम्मद हाफिज़ हाशिम ने अपने दीर्घकालिक कोच पार्क ताए–सांग से पदभार संभाला। पिछले महीने, सिंधु ने अगले साल पेरिस खेलों में पदक सुरक्षित करने का लक्ष्य रखते हुए, प्रकाश पादुकोण के साथ अपने सहयोग की घोषणा की थी।

सिंधु, जो वर्ष का समापन विश्व नंबर 11 के साथ करेंगी, को ओलंपिक योग्यता के लिए अपनी रैंकिंग की रक्षा करने के लिए कमर कसने की जरूरत है।जैसे–जैसे 2023 की बैडमिंटन गाथा का पर्दा करीब आ रहा है, भारत कई सकारात्मकताओं पर विचार कर रहा है। सात्विक और चिराग का शानदार तालमेल पेरिस में पोडियम फिनिश के लिए एक रोमांचक खोज का वादा करता है, जो प्रणय के पुनरुत्थान से और भी मजबूत हुआ है, जिससे पुरुष एकल स्पर्धा में भारत के पदक के सपनों को एक मजबूत बढ़त मिली है।

केपटाउन टेस्ट में द.अफ्रीका की कप्तानी करेंगे डीन एल्गर

सेंचुरियन ,भारत को सेंचुरियन टेस्ट में पारी और 32 रन से हराने वाली अफ्रीकी टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। तेम्बा बावुमा की जगह डीन एल्गर अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के अंतिम मैच में टीम की कप्तानी करेंगे। उन्होंने श्रृंखला से पहले संन्यास लेने के अपने फैसले की घोषणा की थी। वहीं, बावुमा के रिप्लेसमेंट के रूप में जुबैर हमजा को टीम में शामिल किया गया है। बावुमा को मंगलवार को सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग करते समय चोट लगी और स्कैन से पता चला कि उनके मांसपेशियों में खिंचाव है, जिसके कारण वह दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी से बाहर रहे। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए उनकी उपलब्धता निर्धारित करने के लिए एसए20 की शुरुआत से पहले उन्हें मेडिकल जांच से गुजरना होगा। पहले टेस्ट के दौरान बावुमा के मैदान से बाहर जाने के बाद एल्गर ने सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका की पारी और 32 रन से जीत में कप्तान की भूमिका निभाई। एल्गर कप्तानी के मामले में नए नहीं हैं। उन्होंने पहले भी प्रोटियाज़ का नेतृत्व किया है, जिसमें पिछली बार जब भारत ने टेस्ट श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था, वो शामिल थे।तब, साल 2022–23 में 1–0 से पिछड़ने के बाद एल्गर की अगुवाई में अफ्रीकी टीम ने वापसी करते हुए 2–1 से जीत हासिल की थी।

हार के बाद टीम इंडिया को लगा झटका, आईसीसी ने लगाया जुर्माना

सेंचुरियन] तेज गेंदबाज आवेश खान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में 3 जनवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया है। इस बीच, भारत पर सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक भी काट लिए गए हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच सेंचुरियन में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने दो ओवर कम फेंके। इस वजह से टीम इंडिया के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2 पॉइंट्स काटे गए हैं। इसके साथ ही आईसीसी ने 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भी लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के क्रिस ब्रॉड ने भारत को लक्ष्य से दो ओवर पीछे रहने के बाद यह सजा दी.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि आवेश चोटिल मोहम्मद शमी के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम से जुड़ेंगे। वह अब केपटाउन में नए साल के टेस्ट से पहले भारतीय तेज आक्रमण को मजबूत करेंगे, क्योंकि मेहमान टीम अब दो मैचों की श्रृंखला में 1–0 से पीछे है। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए खेलने वाले आवेश वर्तमान में बेनोनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच में भारत 'ए' के लिए खेल रहे हैं। 38 प्रथम श्रेणी मैचों में आवेश ने 22.65 की औसत और 3.12 की इकॉनमी रेट से 149 विकेट लिए हैं, जिसमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।आवेश को सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारत के लिए चुना गया है। उन्होंने 19 टी20 और आठ वनडे मैच खेले हैं। जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती वनडे में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आवेश ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4–27 विकेट हासिल किए।

भारत की टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप–कप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, आवेश खान

राजनीति की पिच पर उतरे क्रिकेटर अंबाती रायडू, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी में हुए शामिल

अमरावती , भारत के पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) में शामिल हो गए।

वाईएसआरसीपी अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने यहां कैंप कार्यालय में उपमुख्यमंत्री के. नारायण स्वामी और सांसद पी. मिथुन रेड्डी की उपस्थिति में पार्टी में उनका स्वागत किया।

मध्यक्रम के स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2013 से 2019 के बीच भारत के लिए 55 वनडे और छह टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने इस साल अप्रैल में राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया था और कहा था कि वह लोगों की सेवा करना चाहते हैं। हालाँकि, रायडू के बारे में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों के राजनीतिक दल अनुमान लगाने की कोशिश कर रहे थे कि वह किस पार्टी में शामिल होंगे। मई–जून में उन्होंने जगन रेड्डी के साथ कुछ बैठकें कीं, लेकिन अपने राजनीतिक कदम के बारे में चुप्पी साधे रहे।आंध्र प्रदेश के रहने वाले क्रिकेटर ने आखिरकार गुरुवार को वाईएसआरसीपी में शामिल होकर सस्पेंस खत्म कर दिया। रायडू अगले साल अप्रैल–मई में होने वाले आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव या लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। रायडू टाइगर पटौदी, कीर्ति आज़ाद, मोहम्मद अज़हरुद्दीन, नवजोत सिंह सिद्धू, चेतन चौहान और गौतम गंभीर जैसे उन भारतीय क्रिकेटरों की एक दुर्लभ श्रेणी में शामिल हो गए, जिन्होंने राजनीति में प्रवेश किया है।युवा क्रिकेटर की टीम के एक साथी के साथ विवादों और 'भाई–भतीजावाद से भरे प्रबंधन' के कारण उन्हें 'विद्रोही' का तमगा मिला था, उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर लगभग समाप्त हो गया था। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस के लिए 190 मैच खेल चुके हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com